बीड (महाराष्ट्र) वर्ष-१ ला अंक-१९७ वा मंगळवार १८ फ़रवरी २०२५ RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत : २ रूपये पन्ने - ४

दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

धनंजय मुंडे के साथ सुरेश धस 'मैनेज' हो गए?-सुप्रिया सुले का सनसनीखेज खुलासा

देशमुख परिवार को जब तक न्याय नहीं मिलेगा, हम चैन से नहीं बैठेंगे

मुंबई, १७ फरवरी (अज़ीज़ एजाज़):

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) की कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद सुप्रिया सुले ने आज मीडिया से बात करते हुए बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि जिन मंत्रियों पर उन्होंने भ्रष्टाचार और हत्या के आरोप लगाए थे, उनके खिलाफ सभी राजनीतिक दल नैतिकता के आधार पर एकजुट होंगे। लेकिन मौजूदा स्थिति देखकर उन्हें निराशा हो रही है।

सुप्रिया सुले ने कहा, मुझे कभी नहीं लगा था कि सुरेश धस और धनंजय मुंडे साथ आ जाएंगे। कल मैं माजलगांव और परली जा रही हूं। हम हमेशा संतोष देशमुख और मुंडे परिवार को न्याय दिलाने के लिए उनके साथ खड़े रहेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि सुरेश धस के 'मैनेज' होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। बीड़ में जो हुआ, उसमें राजनीति नहीं होनी चाहिए। मुझे सुरेश धस से बहुत उम्मीदें थीं। सुरेश धस मैनेज हुए हैं या नहीं? इसका जवाब चंद्रशेखर बावनकुले देंगे, क्योंकि उन्होंने ही चार घंटे की बैठक आयोजित की थी।

नैतिकता के आधार पर कई नेताओं ने दिया इस्तीफा, लेकिन अब?

सुप्रिया सुले ने कहा कि अजीत पवार ने खुद कहा था कि जब उन पर आरोप लगे थे, तो उन्होंने तत्काल इस्तीफा दे दिया था। छगन भुजबळ, अशोक चव्हाण और आर. आर. पाटील ने भी नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दिया था। महाराष्ट्र में कई लोगों ने अपनी राजनीतिक नैतिकता को बनाए रखते हुए इस्तीफे दिए थे, लेकिन उन्हें कभी नहीं लगा था कि सुरेश धस और धनंजय मुंडे इस तरह साथ आ जाएंगे।

चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि बैठक चार घंटे तक चली थी और इस मामले में राजनीति नहीं होनी चाहिए। हम चाहते हैं कि निष्पक्ष जांच हो और न्याय मिले।

देशमुख परिवार को न्याय कब मिलेगा?

सुप्रिया सुले ने कहा कि सामाजिक कार्यकर्ता अंजलि दमानिया ने इस मामले से जुड़े सभी दस्तावेज मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को सौंप दिए हैं। ऐसे में सरकार को अपनी नैतिक जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

उन्होंने आगे कहा, एमएलए तानाजी सावंत के बेटे को खोजने के लिए पूरी राज्य की मशीनरी सक्रिय हो गई थी, लेकिन संतोष देशमुख की हत्या के ७० दिन बाद भी पांचवें आरोपी का कोई पता नहीं है। यह बेहद शर्मनाक है। परभणी और बीड़ में हुए दोनों मामलों में पीड़ितों को न्याय मिलना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि बीड़ में देशमुख परिवार इस समय भारी तनाव में है और कोई उनकी मदद के लिए आगे नहीं आ रहा। इसलिए वह मंगलवार (आज) को उनसे मिलने जा रही हैं। देशमुख की बेटी, जो १२वीं कक्षा की छात्रा है, अपने पिता को न्याय दिलाने के लिए भटक रही है, लेकिन सरकार को उसके आंसू दिखाई नहीं देते।

२८ फरवरी को निकलेगा बीएमसी के खिलाफ मार्च

सुप्रिया सुले ने ऐलान किया कि २८ फरवरी को मुंबई महानगर पालिका (इचउ) के खिलाफ एक बड़ा मार्च निकाला जाएगा। उन्होंने कहा, बीएमसी में कई गंभीर चुनौतियां हैं। बड़ी मात्रा में डिपॉजिट निकाली जा रही है, जो चिंता का विषय है। हमारा यह मार्च बीएमसी में व्याप्त अनियमितताओं के खिलाफ होगा।

लाडकी बहन योजना सिर्फ चुनावी हथकंडा थी?

लाडकी बहन योजना को लेकर उन्होंने महायुति सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि हमारी सरकार होती, तो हम किसी भी महिला को इस योजना से बाहर नहीं रखते। हम तो ३,००० रुपये देने वाले थे, लेकिन अब सरकार उन महिलाओं को योजना से बाहर कर रही है, जिनकी सालाना आय २.५ लाख रुपये से अधिक है। इससे साफ होता है कि यह योजना सिर्फ सत्ता हासिल करने के लिए लाई गई थी।

किसानों के लिए किए गए बड़े-बड़े वादे कहां गए?

सुप्रिया सुले ने कहा कि भाजपा ने अपने चुनावी घोषणापत्र में किसानों की कर्जमाफी को लेकर बड़े-बड़े वादे किए थे। अब हम देखना चाहते हैं कि राज्य सरकार अपने बजट में इस पर क्या फैसला लेती है।

देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि वे किसानों के ७/१२ (भूमि रिकॉर्ड) क्लियर करेंगे। अब हम इंतजार कर रहे हैं कि सरकार इस पर क्या निर्णय लेती है।

मुख्यमंत्री के साथ ही एकनाथ शिंदे का भी अलग मेडिकल सहायता कक्ष!

विशेष प्रतिनिधि

मुंबई:

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बीच आंतरिक विवाद का एक नया अध्याय देखने को मिल रहा है। ज़रूरतमंद मरीजों को आर्थिक सहायता देने के लिए पहले से कार्यरत मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कक्ष की तर्ज पर अब उपमुख्यमंत्री शिंदे भी अपना अलग मेडिकल सहायता कक्ष शुरू कर रहे हैं।

शिंदे ४ मार्च को अपने हाथों से उपमुख्यमंत्री सहायक चिकित्सा कक्ष का उद्घाटन करेंगे।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नाम से पहले ही एक मेडिकल सहायता कक्ष कार्यरत है, लेकिन अब शिंदे के कदम के बाद राज्य में दो चिकित्सा कक्ष काम करेंगे। ऐसे में राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है कि शिंदे ने मुख्यमंत्री के मेडिकल सहायता कक्ष को टक्कर देने के लिए यह नया 'मेडिकल फॉर्म्युला' अपनाया है। यह भी सवाल उठने लगे हैं कि क्या शिंदे ने फडणवीस से प्रतिस्पर्धा करने के लिए यह निर्णय लिया है?

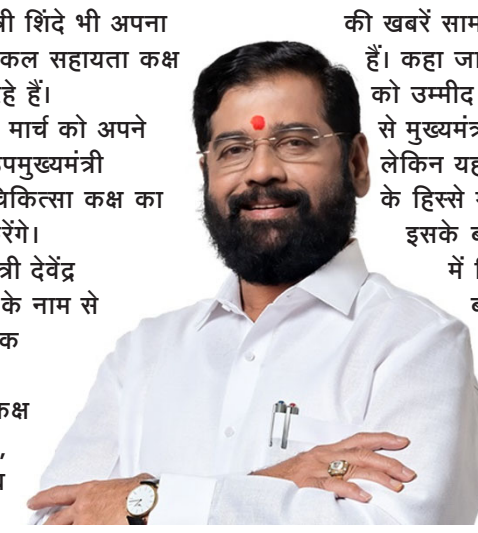

मुख्यमंत्री रहते हुए शिंदे ने ५१,००० मरीजों को ४१९ करोड़ रुपये की सहायता दी थी। उपमुख्यमंत्री बनने के बाद अब वे मरीजों की मदद के लिए यह नया कक्ष शुरू कर रहे हैं। शिंदे का यह चिकित्सा कक्ष मंत्रालय की पहली मंज़िल पर शुरू होगा।

इसके अलावा, मंत्रालय की सातवीं मंज़िल पर स्थित मुख्यमंत्री की वॉर रूम के पास, जहां महाराष्ट्र के प्रमुख प्रोजेक्ट्स और महत्वपूर्ण मुद्दों की निगरानी की जाती है, शिंदे ने डीसीएम समन्वय समिति कक्ष भी स्थापित किया है, जिससे वे राज्य के विकास कार्यों की समीक्षा कर सकें।

विधानसभा चुनाव के बाद जब महायुति सरकार बनी, तब से ही फडणवीस और शिंदे के बीच तनाव की खबरें सामने आती रही हैं। कहा जाता है कि शिंदे को उम्मीद थी कि वे फिर से मुख्यमंत्री बनेंगे, लेकिन यह पद फडणवीस के हिस्से में आ गया।

इसके बाद, मंत्रिमंडल में विभागों के बंटवारे और संपर्क मंत्री पद को लेकर भी दोनों नेताओं के बीच सहमति नहीं बन पाई।

हाल ही में आपदा प्रबंधन समिति में शिंदे को स्थान नहीं दिया गया था, लेकिन उनकी नाराजगी के बाद नियमों में बदलाव कर उनका समावेश किया गया। वहीं, रायगढ़ और नासिक जिलों के संपर्क मंत्री पद को लेकर भी विवाद अब तक खत्म नहीं हुआ है। हालांकि शिंदे और उनके समर्थक सार्वजनिक रूप से सरकार में सब कुछ ठीक होने का दावा कर रहे हैं, लेकिन अंदरूनी असंतोष की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। ऐसे में राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा अब तक शिंदे की नाराजगी को पूरी तरह दूर करने में सफल नहीं हो पाई है।

अरबी भाषा को एनआईओएसद्वारा तैयार विषय-सूची में शामिल किया जाना चाहिए: मर्कज़ी तालीमी बोर्ड

नई दिल्ली, १७ फरवरी: मर्कज़ी तालीमी बोर्ड बोर्ड के सचिव सैयद तनवीर अहमद ने एनआईओएस को एक पत्र लिखकर उसके द्वारा तैयार विषयों की सूची में अरबी भाषा को भी शामिल करने की मांग की है। उन्होंने कहा, यदि अरबी भाषा को एनआईओएस द्वारा तैयार किये गए विषय सूची में शामिल किया जाता है तो मदरसों में पढ़ने वाले बड़ी संख्या में छात्रों को इसका लाभ उठाने का अवसर मिलेगा। केंद्रीय शिक्षा नीति, एनईपी २०२०, विदेशी भाषाओं को सीखने पर जोर देती है और छात्रों को उन्हें सीखने के लिए प्रोत्साहित करती है। ऐसे में, अरबी भाषा को शामिल करने से छात्रों में इस भाषा सीखने में रुचि जागृत होगी और विदेशी भाषा सीखने के लिए प्रेरणा मिलेगा। सैयद तनवीर अहमद ने एनआईओएस को सलाह दी कि जो छात्र उर्दू माध्यम से मैट्रिक और १२ वीं में परीक्षा देना चाहते हैं उन्हें गैर-उर्दू केंद्र में प्रवेश दिया जाना चाहिए। वर्तमान में एनआईओएस उर्दू छात्रों को केवल उन्हीं स्थानों पर प्रवेश लेने की अनुमति देता है जहां उर्दू केंद्र स्थापित हैं, जबकि अधिकांश शहरों में उर्दू केंद्र उपलब्ध नहीं हैं, जिसके कारण छात्र परीक्षा में बैठने से वंचित रह जाते हैं, जो उनके अधिकारों का हनन है। उन्होंने कहा कि उर्दू छात्र एनआईओएस उर्दू केंद्र में अध्ययन किए बिना भी परीक्षा में शामिल हो सकते हैं क्योंकि देश में कई संगठन और शैक्षणिक संस्थान इन छात्रों को ऑनलाइन कोचिंग प्रदान करते हैं जिससे लाभ उठाकर वे परीक्षा के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं। इसलिए हम मांग करते हैं कि एनआईओएस सभी उर्दू माध्यम के छात्रों को प्रवेश दे तथा कांटेक्ट क्लास की आवश्यकता को हटा दे। यदि एनआईओएस द्वारा यह अनुरोध स्वीकार कर लिया जाता है तो उर्दू छात्रों को आगे की शिक्षा प्राप्त करने के अधिक अवसर मिलेंगे।

'महात्मा फुले और इस्लाम' पुस्तक का सावत्री फातिमा सदभावना मंचद्वारा प्रकाशन

अहमदनगर (आबिद खान) - सावत्री फातिमा सदभावना मंच द्वारा 'महात्मा फुले और इस्लाम' पुस्तक का प्रकाशन किया गया। इस अवसर पर मंच के अध्यक्ष एडवोकेट संभाजी बोरुड़े, डॉ. रफीक सैयद, संजय जंजे, अशोक सबन, राजू भाई शेख, अब्दुल रहीम, बापू चंदनशिवे, मोबिन खान सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

एडवोकेट संभाजी बोरुड़े ने इस अवसर पर कहा कि लगभग १४०० साल पहले अरब में आया महान सामाजिक क्रांति का प्रभाव पूरे विश्व के समाज सुधारकों पर पड़ा। स्वतंत्रता, समानता, भाईचारे और न्याय की स्थापना को लोगों ने अपनी आँखों से देखा और अनुभव किया। कठिन समय में फुले दंपति को महत्वपूर्ण सहयोग देने वालों में उस्मान शेख, उनकी बहन फातिमा बी शेख और मुंशी ग़फार बेग का अहम योगदान था।

इस संदर्भ में अब्दुल कादिर मोकादम का लेख 'महात्मा फुले और इस्लाम' अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह लेख महाराष्ट्र सरकार द्वारा हरी नरके द्वारा संपादित पुस्तक 'दर्याफ्त के नए रास्ते' में भी प्रकाशित किया गया है। इसे अब 'सावत्री फातिमा सदभावना मंच' द्वारा आम लोगों के लिए पुस्तिका के रूप में प्रकाशित किया गया है। डॉ. रफीक सैयद ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अहमदनगर जिले की सदभावना की एक लंबी परंपरा रही है। इस जिले में कई हिंदू और मुस्लिम संतों ने सामाजिक समरसता को बढ़ाने का कार्य किया है। इसी उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए सावत्री फातिमा सदभावना मंच पिछले कई वर्षों से कार्य कर रहा है, और सभी धर्मों के लोग इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन अशोक सबन ने किया, परिचय मोबिन खान ने प्रस्तुत किया और धन्यवाद ज्ञापन संजय जंजे ने किया।

एनसीपीद्वारा १९ से २७ फरवरी तक 'सुराज्य सप्ताह' का आयोजन: आनंद परांजपे

मुंबई में दादर से चेंबूर तक निकलेगी रैली, प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबळ और नवाब मलिक की होगी उपस्थिति

मुंबई, १७ फरवरी (अज़ीज़ एजाज़):

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने शिवाजी जयंती के अवसर पर १९ से २७ फरवरी तक 'सुराज्य सप्ताह' के आयोजन की घोषणा की है। यह जानकारी एनसीपी के मुख्य प्रवक्ता आनंद परांजपे ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। 'राज्य जनता का, न्याय शाहू-फुले-आंबेडकर का, शिवाजी का' के नारे के तहत इस सप्ताह के दौरान शिवाजी जयंती, संत गाडगे बाबा जयंती और मराठी भाषा दिवस को एक साथ मनाते हुए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

आनंद परांजपे ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत को उजागर करना और एनसीपी को शिवाजी महाराज के सिद्धांतों से जुड़ा दिखाना है। यह सप्ताह 'रायतेचा राज्य' (जनता का शासन) की विचारधारा को जनता तक पहुंचाने के लिए मनाया जाएगा। पार्टी का लक्ष्य अजित पवार के नेतृत्व में एक ऐसी सरकार की छवि प्रस्तुत करना है, जो शिवाजी महाराज की शासन प्रणाली से प्रेरित हो।

दादर से चेंबूर तक रैली, प्रमुख नेताओं की उपस्थिति

सुराज्य सप्ताह के तहत १९ फरवरी को मुंबई में एक भव्य रैली निकाली जाएगी, जो शाम ४ बजे शिवाजी पार्क, दादर से शुरू होकर चेंबूर में समाप्त होगी। चेंबूर में इस रैली का स्वागत विधायक सना मलिक करेंगी। इस मौके पर एनसीपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल, वरिष्ठ नेता छगन भुजबळ, पूर्व मंत्री नवाब मलिक और विधायक सना मलिक मौजूद रहेंगी।

'सेल्फी विथ किला' अभियान और सांस्कृतिक कार्यक्रम

इस दौरान 'सेल्फी विथ किला' अभियान भी चलाया जाएगा, जिसमें सार्वजनिक स्थानों पर विभिन्न ऐतिहासिक किलों के मॉडल बनाए जाएंगे, ताकि लोग उनके साथ सेल्फी ले सकें। इसके अलावा 'शिवाजी का राज्य, बहुजनों का राज्य, जनता का राज्य' विषय पर व्याख्यान, चित्र प्रदर्शनी, पुस्तक मेले और शिवाजी के काल की वस्तुओं की प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी।

पार्टी विभिन्न मंत्रालयों द्वारा किए गए जनहित कार्यों की जानकारी जनता तक पहुंचाने के लिए नोटिस बोर्ड और सोशल मीडिया अभियानों का भी सहारा लेगी।

एनसीपी महिला विंग द्वारा 'राजमाता जिजाऊ का शिवा' कार्यक्रम

एनसीपी की महिला विंग 'राजमाता जिजाऊ का शिवा' शीर्षक से कई सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित करेगी। इनमें रंगोली प्रतियोगिता, ऐतिहासिक गीत, पोवाड़े (लोकगायन) और घर-घर में शिवाजी महाराज एवं जिजाऊ की तस्वीरें लगाने का अभियान शामिल होगा। इसके अलावा, युवा एवं छात्र संगठन किलों की सफाई अभियान भी चलाएंगे।

राज्यभर में किलों पर एनसीपी नेताओं की मौजूदगी

१९ फरवरी को विभिन्न ऐतिहासिक किलों पर एनसीपी के नेता श्रद्धांजलि देंगे:

शिवनेरी किला: उपमुख्यमंत्री अजित पवार शिवाजी पार्क, मुंबई: प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबळ और नवाब मलिक पद्मदुर्ग किला: प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे रायगढ़ किला: बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे इसके अलावा, १९ से २७ फरवरी के बीच अन्य किलों पर भी एनसीपी नेताओं की उपस्थिति रहेगी: पन्हालगढ़: चिकित्सा शिक्षा मंत्री हसन मुश्रिफ हरिश्चंद्रगढ़: खाद्य एवं औषधि मंत्री नरहरी झिरवल सिंहगढ़: नागरिक आपूर्ति मंत्री धनंजय मुंडे साल्हेर किला: कृषि मंत्री मानकराव कोकाटे पुरंदर किला: खेल मंत्री दत्ता भरणे प्रतापगढ़ किला: राहत एवं पुनर्वास मंत्री मकरंद पाटील नलदुर्ग किला: सहकारिता मंत्री बाबासाहेब पाटील देवगिरी किला: पर्यटन मंत्री इंद्रनील नाइक छात्र संगठनों और अल्पसंख्यक विंग की विशेष पहल छात्र संगठनों द्वारा 'शिवाजी का जनता का राज्य' विषय पर वाद-विवाद और निबंध लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। वहीं, अल्पसंख्यक विंग 'सबका राजा, शिवाजी राजा' विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित करेगा। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में एनसीपी के राज्य प्रवक्ता संजय तटकरे और मुंबई विंग के अध्यक्ष सिद्धार्थ कांबले भी मौजूद थे।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

मांजरसुम्बा में लोकनेता पूर्व सांसद डॉ. प्रीतमताई मुंडे का जन्मदिन स्कूल सामग्री व खाद्य सामग्री वितरण कर मनाया गया

मांजरसुम्बा (१७ फरवरी) – जिले की लोकप्रिय पूर्व सांसद डॉ. प्रीतमताई मुंडे के जन्मदिन के अवसर पर मांजरसुम्बा जिला परिषद स्कूल में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष शंकर भाऊ देशमुख और अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश महामंत्री सलीम जहांगीर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

जन्मदिन के उपलक्ष्य में भाजपा युवा नेता अशोक दादा रसाळ व उनके मित्र मंडल द्वारा जिला परिषद स्कूल के छात्रों को शालेय सामग्री और खाद्य सामग्री (खाऊ) वितरित की गई। इस दौरान सलीम भाई जहांगीर ने डॉ. प्रीतमताई मुंडे से वीडियो कॉल के माध्यम से छात्रों को जोड़ा। वीडियो कॉल पर डॉ. मुंडे ने छात्रों से संवाद किया और उनकी शुभकामनाएं स्वीकार कीं।

कार्यक्रम के दौरान सभी विद्यार्थियों ने ताई साहेब को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष शंकर भाऊ देशमुख ने मार्गदर्शन करते हुए कहा कि एक अच्छे नेता का जन्मदिन समाजहित में उपयोगी शालेय सामग्री और खाद्य पदार्थ वितरित कर मनाना प्रेरणादायक कार्य है। उन्होंने अशोक रसाळ व उनकी

टीम की सराहना की।

इस कार्यक्रम में सलीम भाई जहांगीर ने भी विद्यार्थियों के साथ मिलनसार माहौल में संवाद किया और उन्हें प्रोत्साहित किया। सभी विद्यार्थियों को शालेय सामग्री और खाद्य पदार्थ वितरित किए गए और पूरे उत्साह के साथ डॉ. प्रीतमताई मुंडे का जन्मदिन मनाया गया।

गौरतलब है कि बैनर और होर्डिंग पर खर्च करने की बजाय, गरीब विद्यार्थियों के लिए उपयोगी सामग्री प्रदान करना डॉ. प्रीतमताई मुंडे की हमेशा से इच्छा रही है। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए भाजपा युवा नेता अशोक दादा रसाळ ने मांजरसुम्बा जिला परिषद स्कूल में शालेय सामग्री वितरण कर समाजोपयोगी जन्मदिन मनाया।

कार्यक्रम में गांव के वरिष्ठ नेता जब्बार भाई पटेल, राजू भाई शेख, नाना चव्हाण, दत्ता वाघिरे, पत्रकार शेख तैय्यब, पत्रकार अंगद मोहिते, अनुरथ कोकाटे, तुषार लाड, ओमकार रसाळ, वसंत रसाळ, भारत रसाळ, सूरज रसाळ सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में मांजरसुम्बा जिला परिषद स्कूल के केंद्र प्रमुख प्रदीप जी चौरे, मुख्याध्यापिका कल्पना बनसोडे, उर्दू विभाग की मुख्याध्यापिका अप्रुज बेगम, मन्मथ अरबनेसर, अशोक चौधरी व अन्य स्कूल स्टाफ ने मुख्य अतिथियों और अशोक दादा रसाळ का आभार व्यक्त किया।इस दौरान विद्यालय के गरीब विद्यार्थियों ने भी ताई साहेब को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं, जिसके लिए डॉ. प्रीतमताई मुंडे ने विशेष रूप से सभी विद्यार्थियों और आयोजन समिति का धन्यवाद किया।

चंद्रपुर जिले में कांग्रेस और ठाकरे गुट के पदाधिकारियों का शिवसेना में प्रवेश

विशेष प्रतिनिधि, मुंबई – विदर्भ के चंद्रपुर जिले में गोडपिंपरी नगर पंचायत के ८ नगरसेवकों ने आज शिवसेना में प्रवेश किया। इस फैसले से चंद्रपुर जिले में कांग्रेस और उद्धव ठाकरे गुट को बड़ा झटका लगा है। नगरसेवकों ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व पर विश्वास जताते हुए शिवसेना का दामन थाम लिया।

मुंबई में आयोजित इस पक्ष प्रवेश समारोह में शिवसेना पूर्व विदर्भ समन्वयक विधायक नरेंद्र भोंडेकर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

शिवसेना में शामिल होने वालों में ठाकरे गुट के चंद्रपुर जिला प्रमुख बंडू हजारे, उपजिला प्रमुख नितीन पत्रुजी धानोरकर, ठाकरे गुट की उपाध्यक्ष सारिका मडवी, नगरसेवक यादव बोबडे के अलावा कांग्रेस के नगरसेवक सुनील संकुलावर, सभापति वनिता वाघाडे, नगरसेविका वनिता देवगडे, सभापति रंजना रामगीरकर, नगरसेवक सचिन चितावार, निर्दलीय नगरसेवक सुरेश चिलणकार, तारडा गांव के सरपंच तरुण उमरे शामिल हैं।

इस बड़े राजनीतिक घटनाक्रम से चंद्रपुर जिले की राजनीति में नया मोड़ आया है, जिससे कांग्रेस और ठाकरे गुट की नगर पंचायत में पकड़ कमजोर हो गई है।

छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती के अवसर पर बीड़ में जय छत्रपति शिवाजी–जय भारत पदयात्रा

बीड़, १७ फरवरी (जिमाका):

केंद्र सरकार के युवा कल्याण एवं खेल मंत्रालय और महाराष्ट्र सरकार के संयुक्त तत्वावधान में छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती के उपलक्ष्य में १९ फरवरी को जय छत्रपति शिवाजी–जय भारत पदयात्रा का आयोजन किया गया है।

राज्य और राष्ट्र के सतत विकास में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इस पदयात्रा का उद्देश्य युवाओं में नेतृत्व क्षमता का विकास, व्यक्तित्व निर्माण, सामाजिक सेवा भावना को प्रोत्साहन और सरकारी योजनाओं की जानकारी एवं सहयोग को बढ़ावा देना है। पदयात्रा का मार्ग और समय यह पदयात्रा १९ फरवरी को सुबह ९ बजे जिला क्रीड़ा संकुल, सहयोग नगर से शुरू होगी और सारडा कॉम्प्लेक्स चौक, शहर पुलिस स्टेशन चौक, सुभाष रोड, भाजी मंडई चौक, बहिण चौक होते हुए छत्रपति संभाजी महाराज क्रीड़ांगण पहुंचेगी। समापि कार्यक्रम यह यात्रा सुबह ९ बजे शुरू होगी और सुबह १०:३० बजे छत्रपति संभाजी महाराज क्रीड़ांगण में संपन्न होगी। जिला प्रशासन ने अधिक से अधिक युवाओं और स्कूली विद्यार्थियों से इस पदयात्रा में शामिल होने की अपील की है। पदयात्रा की तैयारियों की समीक्षा बैठक इस पदयात्रा को लेकर आज जिला कलेक्टर अविनाश पाठक ने एक समीक्षा बैठक की। इस यात्रा में नौवीं से ग्यारहवीं कक्षा के स्काउट–गाइड छात्र, अन्य विद्यार्थी, खिलाड़ी, नागरिक, सरकारी अधिकारी और कर्मचारी शामिल होंगे। जिला प्रशासन ने अधिक से अधिक नागरिकों से इस पदयात्रा में भाग लेने की अपील की है ताकि छत्रपति शिवाजी महाराज के विचारों और उनके योगदान को सम्मान दिया जा सके।

दूसरे धर्म में शादी गलत नहीं, धोखाधड़ी रोकना ज़रूरी–मुख्यमंत्री

जबरन धर्म परिवर्तन के मामलों पर नया कानून लाने का उद्देश्य धोखाधड़ी और जबरन धर्म परिवर्तन की शिकायतों को समाप्त करना है

मुंबई, १७ फरवरी (अजीज एजाज):

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि दूसरे धर्म में शादी करना गलत नहीं है, लेकिन अगर कोई अपनी पहचान छुपाकर या धोखाधड़ी से शादी करता है, तो ऐसे मामलों पर कार्रवाई करना ज़रूरी है। सुप्रीम कोर्ट और केरल हाई कोर्ट ने भी इस तरह की शादियों की सच्चाई को लेकर टिप्पणियां की हैं।

फडणवीस जबरन धर्म परिवर्तन के मामलों पर राज्य सरकार द्वारा गठित की गई समिति को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में धोखाधड़ी से शादी करने और फिर बच्चे के जन्म के बाद महिला को छोड़ देने के मामले बढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार ने इस संबंध में एक सरकारी प्रस्ताव (ऋठ) जारी किया है, जिसके तहत राज्य के डीजीपी की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है। यह समिति इस तरह की शिकायतों से निपटने के लिए उचित कदम सुझाएगी। साथ ही, यह समिति कानूनी पहलुओं और अन्य राज्यों में बनाए गए समान कानूनों का भी अध्ययन करेगी।

ऐतिहासिक कारंजा टॉवर के पास लगाए गए चार सीमेंट बेंच, बुजुर्गों के चेहरे पर खुशी!

भूतपूर्व वैभव की पुनर्स्थापना तक संघर्ष जारी रहेगा–एस.एम.यूसुफ, रमेश गंगाधरे

बीड़ (प्रतिनिधि):

शहर के ऐतिहासिक कारंजा टॉवर की बदहाल स्थिति और बुजुर्गों को हो रही परेशानी को देखते हुए, वहां शिकायत निवारण केंद्र शुरू करने और तीन तरफ बेंच या सीमेंट के बेंच लगाने की मांग की गई थी। यह मांग मुक्त पत्रकार एस.एम. यूसुफ और वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता रमेशराव गंगाधरे ने १४ फरवरी २०२५ को जिलाधिकारी, मुख्याधिकारी, तहसीलदार और जिला पुलिस अधीक्षक को दिए गए ज्ञापन में की थी।

मीडिया में इस खबर के प्रकाशित होने के बाद प्रशासन ने कारंजा टॉवर के पास चार सीमेंट बेंच रखवा दिए हैं। इसके चलते बुजुर्गों को अब आराम करने की सुविधा मिल गई है और वे इन बेंचों पर बैठकर

आनंद ले रहे हैं। बुजुर्गों ने मांग की है कि शासन–प्रशासन टॉवर को पूर्ण रूप से विकसित कर इस खुशी को दोगुना करे।

बुजुर्गों के बैठने की समस्या दूर हुई

पिछले दस वर्षों से ऐतिहासिक कारंजा टॉवर के तीनों तरफ की बेंच (वट्टे) जमींदोज हो चुकी थीं, जिससे बुजुर्गों के लिए बैठने की कोई जगह नहीं बची थी। मजबूरी में कई बुजुर्ग कारंजा टॉवर के सामने स्थित एक कपड़ा दुकान की सीढ़ियों पर बैठते थे। दोपहर बाद आने वाले लोग इन्हीं सीढ़ियों पर बैठकर समाचार पत्र पढ़ते थे।

इस स्थिति को देखकर एस.एम. यूसुफ और रमेशराव गंगाधरे ने प्रशासन से मांग की थी कि टॉवर के चारों ओर पहले की तरह बेंच बनाई जाएं या सीमेंट के बेंच लगाए जाएं। मीडिया में १५ और १६ फरवरी २०२५ को इस खबर के प्रकाशित होने के बाद, प्रशासन ने १६ फरवरी २०२५ (रविवार) को चार सीमेंट बेंच लगा दिए। इससे अब बुजुर्गों और अन्य नागरिकों को काफी राहत मिली है। अनधिकृत डिजिटल बैनर हटाने की मांग बुजुर्गों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मांग की है कि बिना अनुमति लगाए जाने वाले डिजिटल बैनर पर प्रतिबंध लगाया जाए और इसका सख्ती से पालन हो। इसके अलावा, टॉवर की इमारत के चारों ओर लगे सीसीटीवी कैमरों को शुरू किया जाए और कचरा फेंकने वालों पर सख्त जुर्माना लगाया जाए।

सामाजिक कार्यकर्ताओं ने यह भी मांग की है कि टॉवर की पश्चिम और उत्तर दिशा में भी बेंच लगाई जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोगों को सुविधा मिल सके। साथ ही, बंद पड़े कारंजा टॉवर को पुनः खोलकर वहां शिकायत निवारण केंद्र शुरू किया जाए। कारंजा टॉवर के सामने बंद पड़े पानी के फव्वारे भी जल्द से जल्द चालू करने की जरूरत है।

संघर्ष जारी रहेगा – सामाजिक कार्यकर्ता एस.एम. यूसुफ और वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता रमेशराव गंगाधरे ने कहा कि जब तक शासन–प्रशासन कारंजा टॉवर को उसका भूतपूर्व वैभव वापस नहीं दिलाता, तब तक संघर्ष जारी रहेगा।

कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ आज पदभार ग्रहण करेंगे!

विशेष प्रतिनिधि, मुंबई – महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ आज, मंगलवार को पदभार ग्रहण करेंगे। यह कार्यक्रम दोपहर १ बजे मरीन लाइन्स स्थित बिर्ला मातोश्री सभागृह में आयोजित किया गया है, जहां वे नाना पटोले से कार्यभार संभालेंगे।

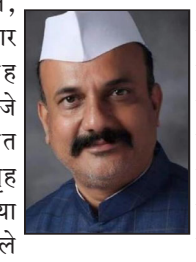

इस अवसर पर कांग्रेस के महाराष्ट्र प्रभारी रमेश चेन्नीथला, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव मुकुल वासनिक, वरिष्ठ नेता एवं कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य बाळासाहेब थोरात, विधानमंडल दल के नेता विजय वडेट्टीवार, पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण और सुशीलकुमार शिंदे, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मीडिया एवं संचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा, अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष सांसद इमरान प्रतापगढ़ी, प्रदेश कार्याध्यक्ष एवं कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य नसीम खान सहित अन्य प्रमुख नेता उपस्थित रहेंगे।

गौरतलब है कि विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद नाना पटोले ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसके पश्चात हर्षवर्धन सपकाळ की प्रदेशाध्यक्ष पद पर नियुक्ति की गई है।

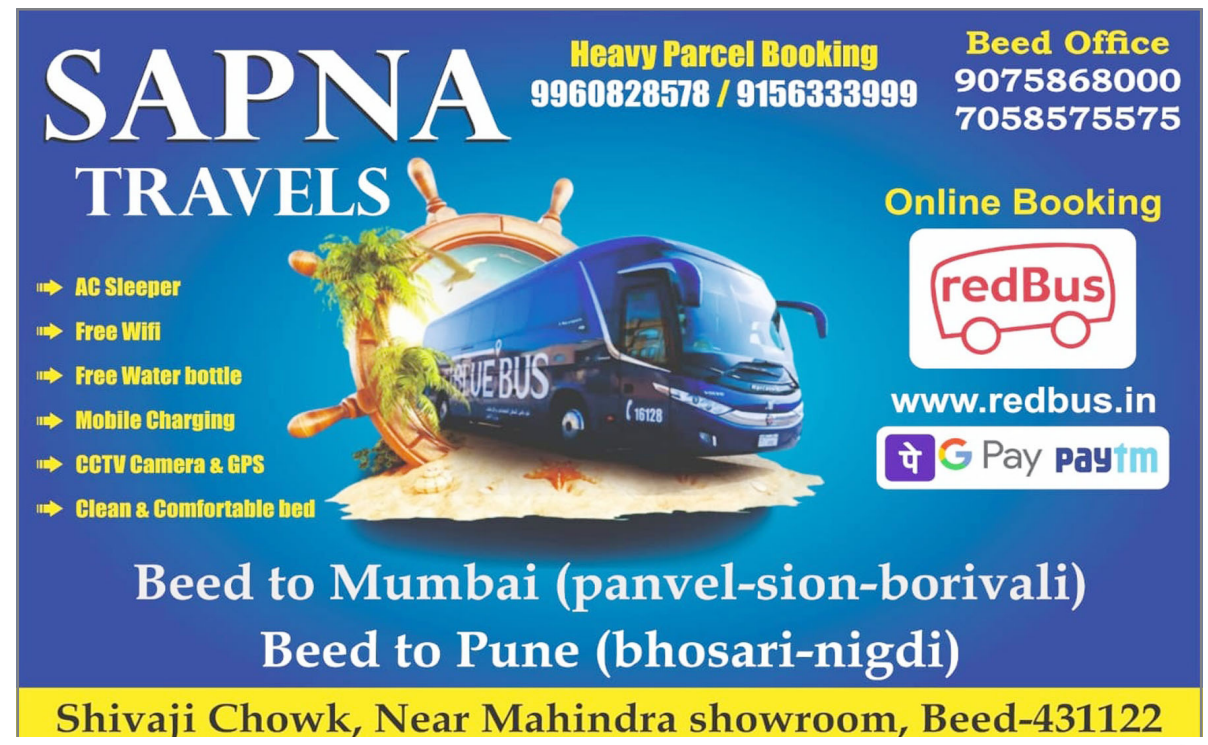

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com